SET – 3

Series : JSR/2

कोड नं.
Code No. **3/2/3**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **16** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

संकलित परीक्षा-II

SUMMATIVE ASSESSMENT-II

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम अ)

(Course A)

*निर्धारित समय : **3** घंटे* — *अधिकतम अंक : **90***

*Time allowed : **3** hours* — *Maximum marks : **90***

निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं – क, ख, ग और घ ।*

(ii) *चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।*

खंड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1 × 5 = 5**

प्रकृति की ताकत के सामने इंसान कितना बौना है, यह कुछ समय पहले फिर सामने आया । यों प्रकृति सहनशीलता, धैर्य, अनुशासन की प्रतिमूर्ति के रूप में हमारा पथ-प्रदर्शन करती है, हमारे भीतर संघर्ष का भाव जगा कर समस्या के हल के लिए उत्प्रेरक का काम करती है, लेकिन जब भी इंसान ने खुद को जीवन देने वाले प्रकृति प्रदत्त उपहारों, जैसे जल, जंगल और ज़मीन का शोषण जोंक की भाँति करने की कोशिश की, तब चेतावनी के रूप में प्रकृति के अनेक रंग देखने को मिले हैं । जल का स्वभाव है अविरल प्रवाह, जिसे बाँधना वर्तमान समय में मनुष्य की फितरत बन गई है । वनों ने हमेशा मनुष्य को लाभ ही दिया, लेकिन स्वार्थ में अंधे मनुष्य ने वनों को बेरहमी से उजाड़ने, पेड़ों को काटने में कभी संकोच नहीं किया । नदियों की छाती को छलनी कर अवैध खनन के रोज नए रिकॉर्ड बनाना इंसान का स्वभाव बन चुका है । पहाड़ों को खोद कर अट्टालिकाएँ खड़ी करने में हमें कोई हिचक नहीं होती । पृथ्वी के गर्भ से भू-जल, खनिज, तेल आदि को अंधाधुंध या बेलगाम तरीके से निकाले जाने का सिलसिला जारी है । इसलिए नतीजे के तौर पर अगर हर साल तबाही का सामना करना पड़े तो कोई आश्चर्य की बात नहीं होनी चाहिए ।

हमें याद रखना होगा कि जब भी प्रकृति अपना अनुशासन तोड़ती है, तब भारी तबाही का मंजर ही सामने आता है । आज ज़रूरत इस बात की नहीं कि हम इतिहास का दर्शन कर खुद को अभी भी पुरानी हालत और रवैए में रहने दें, बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि हम प्रकृति के इस रूप को गंभीरता से लेते हुए अपने आचरण में यथोचित सुधार करें और प्रकृति की सीमा का अतिक्रमण न करें ।

(क) प्रकृति की ताकत के सामने मानव तब बौना हो जाता है जब –
- (i) प्रकृति का तांडव देखने को मिलता है ।
- (ii) प्रकृति हमारा पथ प्रदर्शित करती है ।
- (iii) प्रकृति प्रदत्त उपहार हमें मिलते हैं ।
- (iv) मनुष्य प्रकृति के साथ अपनी मनमानी करता है ।

(ख) सहनशीलता, धैर्य और अनुशासन की प्रतिमूर्ति है –
- (i) जल
- (ii) जंगल
- (iii) ज़मीन
- (iv) प्रकृति

(ग) इतनी तबाही के बाद भी मानव सचेत नहीं हुआ क्योंकि वह –
- (i) अवैध खनन के नए रिकॉर्ड बनाना चाहता है ।
- (ii) अपने स्वार्थ के कारण सद्बुद्धि खो बैठा है ।
- (iii) निर्माण कार्य में अत्यधिक व्यस्त है ।
- (iv) प्रकृति के संहारक रूप को नहीं जानता ।

(घ) मानव से क्या अपेक्षित है ?

(i) प्रकृति की प्रशंसा में प्रचार-प्रसार करे ।

(ii) प्रत्येक परिस्थिति का सामना करे ।

(iii) प्रकृति की सीमा का अतिक्रमण न करे ।

(iv) सबसे मिल-जुलकर रहे ।

(ङ) प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है –

(i) मानव की मर्यादा

(ii) प्रकृति मानव की दासी

(iii) प्राकृतिक उपहार

(iv) प्रकृति का तांडव

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **$1 \times 5 = 5$**

कम उमर में विकसित अवचेतन मन का हमारे जीवन पर असर बिलकुल हाल में समझ में आया हो, ऐसा नहीं है । कोई 500 साल से कुछ धर्म-प्रचारकों में यह कहा जाता रहा है कि किसी भी बालक को हमें छह-सात साल की उमर तक के लिए दे दीजिए । वह बड़ा होने के बाद जीवन भर हमारा ही बना रहेगा । उन्हें पता था कि पहले सात साल में सिखाया गया ढर्रा किसी व्यक्ति की जीवन-राह तय कर सकता है । उस व्यक्ति की कामनाएँ और इच्छाएँ चाहे कुछ और भी हों, तो भी वह इस दौर को भूल नहीं पाता ।

क्या यह मान लें कि नकारात्मक बातों से भरे हमारे इस अवचेतन मन से हमें आज़ादी मिल ही नहीं सकती ? ऐसा नहीं है । इस तरह की आज़ादी की अनुभूति हर किसी को कभी न कभी जरूर होती है । इसका एक उदाहरण है, प्रेम की मानसिक अवस्था । प्रेम में, स्नेह में अभिभूत व्यक्ति का स्वास्थ्य कुछ अलग चमकता हुआ दिखता है, उसमें ऊर्जा दिखती है ।

वैज्ञानिकों को हाल ही में पता चला है कि जो लोग रचनात्मक ढंग से सोचने की अवस्था में होते हैं, आनंद में रहते हैं, उनका चेतन मन 90 प्रतिशत सजग रहता है । चेतन अवस्था में लिए निर्णय और हुए अनुभव किसी भी व्यक्ति की मनोकामनाओं और महत्त्वाकांक्षाओं के अनुरूप होते हैं । तब मन अपने अवचेतन के प्रतिबंधक ढर्रों पर बार-बार वापिस नहीं लौटता है । लेकिन यह रचनात्मक अवस्था सदा नहीं रहती । जल्दी ही अवचेतन कमान पर लौट आता है ।

मन का अवचेतन भाग अगर नए सिरे से, नए भाव से, सकारात्मक आदतें चेतन हिस्से से सीख सके तो इस समस्या का समाधान निकल आए ।

(क) किसी व्यक्ति को जीवन भर अपना बनाने के लिए धर्म-प्रचारकों ने क्या सुझाव दिया ?

(i) बालक को छह-सात वर्ष की आयु तक धार्मिक गतिविधियों से जोड़कर रखना चाहिए ।

(ii) बालक को छह-सात वर्ष की आयु से ट्रेनिंग देनी चाहिए ।

(iii) बालक को छह-सात वर्ष की ट्रेनिंग देनी चाहिए ।

(iv) व्यक्ति को समाज से पूरी तरह अलग रहना चाहिए ।

(ख) जीवन पर स्थायी प्रभाव पड़ता है –

(i) युवावस्था के अनुभवों का

(ii) जीवन के पहले सात सालों का

(iii) इतिहास और दर्शन का

(iv) माता-पिता की शिक्षाओं का

(ग) सही कथन है –

(i) हमें अवचेतन मन से आज़ादी नहीं मिल सकती ।

(ii) हमें अवचेतन मन से आज़ादी मिल सकती है ।

(iii) अवचेतन मन का जीवन पर कोई असर नहीं होता ।

(iv) आज़ादी की अनुभूति किसी-किसी को होती है ।

(घ) 'प्रेम में, स्नेह में अभिभूत व्यक्ति में अलग ऊर्जा दिखती है' – का तात्पर्य है –

(i) नकारात्मकता व्यक्ति को कमजोर बनाती है ।

(ii) सद्भाव-प्रेम मानव को शक्ति प्रदान करता है ।

(iii) स्नेहपूर्ण व्यक्ति सबसे अलग होता है ।

(iv) प्रेम में नकारात्मक भाव आते ही नहीं ।

(ङ) हमें नकारात्मक प्रतिबंधक ढर्रों से बचने के लिए क्या करना चाहिए ?

(i) रचनात्मकता का विकास करना चाहिए ।

(ii) डॉक्टरी सलाह लेनी चाहिए ।

(iii) सभी निर्णय सोच-समझकर लेने चाहिए ।

(iv) चेतन और अवचेतन के अंतर को समझना चाहिए ।

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : $1 \times 5 = 5$

इन नए बसते इलाकों में
जहाँ रोज बन रहे हैं नए-नए मकान
मैं अकसर रास्ता भूल जाता हूँ
धोखा दे जाते हैं पुराने निशान
खोजता हूँ ताकता पीपल का पेड़
खोजता हूँ ढहा हुआ घर
और जमीन का खाली टुकड़ा जहाँ से बाएँ
मुड़ना था मुझे
फिर दो मकान बाद बिना रंग वाले लोहे के फाटक का
घर था इकमंजिला

और मैं हर बार एक घर पीछे
चल देता हूँ
या दो घर आगे ठकमकाता ।

यहाँ रोज कुछ बन रहा है
रोज कुछ घट रहा है
यहाँ स्मृति का भरोसा नहीं
एक ही दिन में पुरानी पड़ जाती है दुनिया
जैसे वसंत का गया पतझड़ को लौटा हूँ
जैसे वैशाख का गया भादों को लौटा हूँ
अब यही है उपाय कि हर दरवाजा खटखटाओ
और पूछो –
क्या यही है वो घर ?

समय बहुत कम है तुम्हारे पास
आ चला पानी ढहा आ रहा अकास
शायद पुकार ले कोई पहचाना ऊपर से देखकर

(क) कवि रास्ता क्यों भूल गया है ?

(i) वह गलत जगह पहुँच गया है ।

(ii) आए दिन नई बसावट हो जाती है ।

(iii) वह घर नए ढंग से बन गया है ।

(iv) वह घर का नंबर भूल गया है ।

(ख) कवि अपने गंतव्य को कैसे खोज रहा है ?

(i) स्मृति के आधार पर पुराने चिह्न के माध्यम से

(ii) घर के बदले हुए पते से

(iii) किसी पड़ोसी से पूछकर

(iv) बाहर के रंग-रोगन के माध्यम से

(ग) उसकी समस्या का कारण क्या है ?

(i) उस इलाके में रोज कुछ बनता है और कुछ उजड़ जाता है ।

(ii) गोलाकार सड़कें उसे वापस ले आती हैं ।

(iii) वह कभी दो घर आगे जाकर खटखटाता है ।

(iv) उसे अपनी स्मृति पर भरोसा नहीं रह गया है ।

(घ) 'वसंत का गया पतझड़ को लौटा हूँ' – कवि लगभग कितने मास बाद लौटा ?

(i) 3/4 मास बाद

(ii) 6/7 मास बाद

(iii) 7/8 मास बाद

(iv) 10/11 मास बाद

(ङ) जब गंतव्य नहीं मिला तो उसे कौन सी आशा की किरण दिखाई दी ?

(i) शायद रास्ते में कोई पहचान वाला मिल जाए ।

(ii) शायद अब जो दरवाजा खटखटाए, वही उसका गंतव्य हो ।

(iii) शायद कोई उसके मन की बात पकड़ ले ।

(iv) शायद कोई छज्जे से पहचान कर आवाज लगा ले ।

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1 × 5 = 5**

जन्म दिया माता-सा जिसने, किया सदा लालन-पालन,
जिसके मिट्टी-जल से ही है रचा गया हम सबका तन ।
गिरिवर नित रक्षा करते हैं, उच्च उठा के श्रृंग महान,
जिसके लता-द्रुमादिक करते हमको अपनी छाया दान ।
माता केवल बाल-काल में निज अंक में धरती है,
हम अशक्त जब तलक तभी तक पालन-पोषण करती है ।
मातृभूमि करती है सबका लालन सदा मृत्यु पर्यंत,
जिसके दया-प्रवाहों का होता न कभी सपने में अंत ।
मर जाने पर कण देहों के इसमें ही मिल जाते हैं,
हिंदू जलते, यवन-ईसाई शरण इसी में पाते हैं ।
ऐसी मातृभूमि मेरी है स्वर्गलोक से भी प्यारी,
उसके चरण-कमल पर मेरा तन-मन-धन सब बलिहारी ।।

(क) 'जन्म दिया माता-सा जिसने' – यहाँ 'जिसने' से तात्पर्य है –

(i) माँ

(ii) मातृभूमि

(iii) पिता

(iv) धरती

(ख) गिरिवर हमारी रक्षा किस प्रकार करते हैं ?

(i) अपने शिखरों को उठाकर

(ii) छाया प्रदान कर

(iii) गोद में लेकर

(iv) भोजन प्रदान कर

(ग) मातृभूमि माँ से भी बढ़कर है, क्योंकि वह –

(i) बचपन में गोद में खिलाती है ।

(ii) सदा दयालु बनी रहती है ।

(iii) आजीवन लालन-पालन करती है ।

(iv) बीमारी में भी देखभाल करती है ।

(घ) कवि की इच्छा है कि –
   (i) मातृभूमि स्वर्गलोक जैसी बन जाए ।
   (ii) यहाँ सबको शरण मिले ।
   (iii) मातृभूमि पर तन-मन निछावर कर दें ।
   (iv) मरने पर इसी में मिल जाएँ ।

(ङ) 'चरण-कमल' का उपयुक्त अर्थ है
   (i) चरण रूपी कमल
   (ii) कमल रूपी चरण
   (iii) चरण और कमल
   (iv) चरण के समान कमल

खंड – 'ख'

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : **1 × 3 = 3**

(क) शिलांग में कलाम ने उस सैनिक को धन्यवाद दिया जो उनकी रक्षा के लिए प्रतिबद्ध था । (वाक्य भेद बताइए ।)

(ख) प्रतिभाशाली और सहृदय होने के कारण अब्दुल कलाम हर व्यक्ति के हृदय पर राज करेंगे । (संयुक्त वाक्य में बदलिए ।)

(ग) वह आकर लौट भी गया परंतु किसी को कानोंकान खबर भी नहीं हुई । (सरल वाक्य बनाइए ।)

6. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तित कीजिए : **1 × 4 = 4**

(क) हिंदी के बारे में अध्यापक द्वारा क्या कहा गया ? (कर्तृवाच्य में)

(ख) आज मिलकर कहीं चला जाए । (कर्तृवाच्य में)

(ग) कृतिका देर तक नहीं सोती । (भाववाच्य में)

(घ) अनेक पाठकों ने पुस्तक की सराहना की । (कर्मवाच्य में)

7. रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए : **1 × 4 = 4**

यदि <u>हम</u> सातों <u>समुद्रों की</u> स्याही बनाएँ <u>और</u> सभी वनों के वृक्षों से कलमें बनाएँ और <u>पूरी</u> धरती कागज हो तो भी गुरु के गुणों को लिखा नहीं जा सकता ।

8. (क) करुण रस का स्थायी भाव लिखिए । **1 × 4 = 4**

(ख) हास्य रस का एक उदाहरण दीजिए ।

(ग) 'भय' किस रस का स्थायी भाव है ?

(घ) प्रीति-नदी मैं पाउँ न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी ।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी ।।
उक्त काव्यांश में निहित रस बताइए ।

खंड – 'ग'

9. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 + 2 + 1 = 5**

किसी दिन एक शिष्या ने डरते-डरते खाँ साहब को टोका, "बाबा ! आप यह क्या करते हैं, इतनी प्रतिष्ठा है आपकी । अब तो आपको भारतरत्न भी मिल चुका है, यह फटी तहमद न पहना करें । अच्छा नहीं लगता, जब भी कोई आता है आप इसी फटी तहमद में सबसे मिलते हैं ।" खाँ साहब मुसकराए, लाड़ से भरकर बोले, "धत् ! पगली ई भारतरत्न हमको शहनईया पे मिला है, लुंगिया पे नाहीं । तुम लोगों की तरह बनाव सिंगार देखते रहते, तो उमर ही बीत जाती, हो चुकती शहनाई । तब क्या खाक रियाज़ हो पाता । ठीक है बिटिया, आगे से नहीं पहनेंगे, मगर इतना बताए देते हैं कि मालिक से यही दुआ है, फटा सुर न बख्शे । लुंगिया का क्या है, आज फटी है, तो कल सी जाएगी ।"

(क) 'तुम लोगों की तरह बनाव सिंगार देखते रहते तो उमर ही बीत जाती, हो चुकती शहनाई ।' उपर्युक्त कथन में युवावर्ग के लिए क्या संदेश है ?

(ख) किसी भी कला या कार्य की सफलता में रियाज़ का कितना योगदान होता है, गद्यांश के आधार पर लिखिए ।

(ग) शिष्या के टोकने को बिस्मिल्ला खाँ ने बुरा क्यों नहीं माना ?

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : **2 × 5 = 10**

(क) शीला अग्रवाल जैसी प्राध्यापिका किसी भी विद्यार्थी के जीवन को कैसे सँवार सकती हैं ?

(ख) 'महिलाओं द्वारा जो अनुचित व्यवहार किया जा रहा है – वह उसकी शिक्षा का ही परिणाम है ।' ऐसा कुतर्क कौन देते हैं और क्यों ?

(ग) स्त्री शिक्षा के समर्थन में महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा दिए गए दो तर्कों का उल्लेख कीजिए ।

(घ) संस्कृति कब असंस्कृति बन जाती है ? पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ङ) 'संस्कृति' पाठ के आधार पर बताइए कि हमें सभ्यता किनसे मिली है और किस तरह ?

11. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 + 2 + 1 = 5**

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं,
देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं ।
दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,
क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर ?
जो न मिला भूल उसे कर तू भविष्य वरण,
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना ।

(क) 'देह सुखी होने पर भी मन के दुख का अंत नहीं' – कथन का भाव स्पष्ट कीजिए ।

(ख) दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,
क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर ?
उक्त पंक्तियों में कवि क्या कहना चाहता है ?

(ग) कवि छाया छूने से मना क्यों कर रहा है ?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : **2 × 5 = 10**

(क) लक्ष्मण और परशुराम की चारित्रिक विशेषताओं में आप क्या अंतर पाते हैं ? पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ख) 'अयमय खाँड़ न ऊखमय' से क्या अभिप्राय है और यह कथन किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

(ग) 'कन्यादान' कविता में माँ ने बेटी को किस प्रकार सावधान किया ? अपने शब्दों में लिखिए ।

(घ) 'उसे सुख का आभास तो होता था लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था', 'कन्यादान' कविता के आधार पर भावार्थ स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) मुख्य गायक और संगतकार की आवाज़ में क्या अंतर दिखाई पड़ता है ?

13. दुलारी ने विदेशी साड़ियों को क्यों त्याग दिया ? इस प्रसंग के आलोक में आज की पीढ़ी को आप किन जीवन-मूल्यों की सलाह देना चाहेंगे ? **5**

खंड – 'घ'

14. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग **250** शब्दों में निबंध लिखिए : **10**

(क) सत्संगति

- अर्थ स्पष्टीकरण
- मानव पर प्रभाव
- कुसंगति के दुष्प्रभाव

(ख) किसी प्राकृतिक स्थल की यात्रा

- प्रकृति और मनुष्य का साथ
- प्राकृतिक सौंदर्य
- जन-जीवन और संस्कृति

(ग) परिश्रम का महत्त्व

- कर्मठ व्यक्ति का समाज में महत्त्व
- आत्मतुष्टि देता है परिश्रम
- परिश्रम उन्नति की ओर ले जाता है ।

15. आए दिन चोरी और झपटमारी के समाचारों को पढ़कर जो विचार आपके मन में आते हैं, उन्हें किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र के रूप में लिखिए । **5**

अथवा

आपकी प्रिय मित्र स्मिता को बहादुरी के लिए 26 जनवरी को राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया है । अपनी खुशी प्रकट करते हुए उसे बधाई पत्र लिखिए ।

16. निम्नलिखित गद्यांश का शीर्षक लिखकर **एक तिहाई** शब्दों में सार लिखिए : **5**

विज्ञापन, विज्ञापन, विज्ञापन ! जहाँ नज़र घुमाओ, वहीं विज्ञापन ! इन विज्ञापनों को देखकर मन में एक प्रश्न उठता है कि इनका आज के औद्योगिक युग में क्या औचित्य है ?

विज्ञापन आधुनिक युग में बहुत महत्त्व रखते हैं । विज्ञापन व्यापारी के हाथ के एक पुर्जे के समान है, जिसका उपयोग वह अपनी चीजें बेचने के लिए करता है । लोग इन्हें देखकर ललचाते हैं जिससे व्यापारियों की बिक्री बढ़ जाती है और वे लाभ कमाते हैं । इन विज्ञापनों के कारण हमें बाज़ार में आई चीज़ों के बारे में जानकारी मिलती है । इनके द्वारा लोगों को अलग-अलग कंपनियों की वस्तुओं में तुलना करने का भी मौका मिल जाता है तथा वे उस वस्तु को लेना पसंद करते हैं जिससे कि उन्हें कम दाम में अच्छी क्वालिटी मिले । विज्ञापन पर होने वाले संपूर्ण खर्च का बोझ परोक्ष रूप से उपभोक्ताओं पर ही पड़ता है । इससे वस्तु की लागत बढ़ जाने से उसके मूल्य में भी वृद्धि हो जाती है । उपभोक्ता तरह-तरह के विज्ञापनों को देखकर आकर्षित हो जाता है । बीच-बीच में भ्रामक विज्ञापन भी दिए जाते हैं । इनके लिए सितारों का उपयोग किया जाता है । आजकल सूचना संबंधी विज्ञापन, सरकारी सूचनाओं संबंधी विज्ञापन भी समाचार-पत्रों में देखे जा सकते हैं । विज्ञापनों का मानव-मनोविज्ञान से गहरा संबंध होता है । कभी-कभी वस्तु के गुणों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है । आज का युग विज्ञापन का युग है – यह समाज के लिए वरदान है ।

अंक–योजना मार्च, 2016

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/2/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
				खंड - 'क'	
1	1	2	1		
	(क)	(क)	(क)	(i)	1
	(ख)	(ख)	(ख)	(iv)	1
	(ग)	(ग)	(ग)	(ii)	1
	(घ)	(घ)	(घ)	(iii)	1
	(ङ)	(ङ)	(ङ)	(i)	1
2	2	1	2		
	(क)	(क)	(क)	(i)	1
	(ख)	(ख)	(ख)	(ii)	1
	(ग)	(ग)	(ग)	(ii)	1
	(घ)	(घ)	(घ)	(ii)	1
	(ङ)	(ङ)	(ङ)	(i)	1

अंक-योजना मार्च, 2016

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/2/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
3	3 (क)	3 (क)	4 (क)	(ii)	1
	(ख)	(ख)	(ख)	(i)	1
	(ग)	(ग)	(ग)	(iii)	1
	(घ)	(घ)	(घ)	(iii)	1
	(ङ)	(ङ)	(ङ)	(i)	1
4	4 (क)	4 (क)	3 (क)	(ii)	1
	(ख)	(ख)	(ख)	(i)	1
	(ग)	(ग)	(ग)	(i)	1
	(घ)	(घ)	(घ)	(iv)	1
	(ङ)	(ङ)	(ङ)	(iv)	1

अंक–योजना मार्च, 2016

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/2/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
5	5	–	–	**खंड - 'ख'**	
	(क)	–	–	मिश्र वाक्य	1
	(ख)	–	–	मैं ढीठ बन गया और उनकी सहिष्णुता का अनुचित लाभ उठाने लगा।	1
	(ग)	–	–	मेरा सारा समय पतंगबाजी की भेंट होता था क्योंकि मुझे कनकौए उड़ाने का नया शौक पैदा हो गया था।	1
	–	5	–		
	–	(क)	–	कब्रिस्तान की ज़मीन के किनारे पर दो–चार घर बने थे।	1
	–	(ख)	–	सरल वाक्य	1
	–	(ग)	–	हम सभी बगीचे में घूमे और छात्रावास की ओर चल पड़े।	1
	–	–	5		
	–	–	(क)	मिश्र वाक्य	1
	–	–	(ख)	अब्दुल कलाम प्रतिभाशाली और सहृदय थे / हैं इसलिए हर व्यक्ति के हृदय पर राज करेंगे।	1
	–	–	(ग)	उसके आकर लौट जाने की किसी को कानोंकान खबर भी नहीं हुई।	1

अंक–योजना मार्च, 2016

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/2/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
6	6	–	–		
	(क)	–	–	प्रेमचंद ने प्रसिद्ध उपन्यास गोदान लिखा।	1
	(ख)	–	–	पशु बोल नहीं सकते / पाते / पशु नहीं बोलते।	1
	(ग)	–	–	चोट के कारण उससे चला नहीं जाता / जा सकता।	1
	(घ)	–	–	स्वामी विवेकानंद द्वारा रामकृष्ण मिशन की स्थापना की गई।	1
		6			
	–	(क)	–	स्वामी विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की।	1
	–	(ख)	–	चोट के कारण वह चल नहीं पाता / सकता / चोट के कारण वह नहीं चलता।	1
	–	(ग)	–	पशुओं से बोला नहीं जाता / जा सकता।	1
	–	(घ)	–	प्रेमचंद द्वारा प्रसिद्ध उपन्यास 'गोदान' लिखा गया।	1
			6		
	–	–	(क)	हिंदी के बारे में अध्यापक ने क्या कहा?	1
	–	–	(ख)	आज मिलकर कहीं चलें / चलते हैं।	1
	–	–	(ग)	कृतिका से देर तक नहीं सोया जाता।	1

अंक-योजना मार्च, 2016

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/2/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
	–	–	(घ)	अनेक पाठकों द्वारा पुस्तक की सराहना की गई।	1
7	7	–	–	अब – क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'थी' क्रिया की विशेषता दायित्व – भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक। मैं – पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग / स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक गहरा – गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'संदेह' की विशेषता। (व्याकरणिक कोटि (भेद सहित) तथा अन्य में से किसी एक बिंदु का उल्लेख अपेक्षित)	½ +½ =1 ½ +½ =1 ½ +½ =1 ½ +½ =1
	–	7	–	जहाँ तक – स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'हो चुका है' क्रिया का विशेषण। कुछ – परिमाणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'ज़मीन' की विशेषता हमें – पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग / स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्मकारक भावना – भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, संबंध कारक। (व्याकरणिक कोटि (भेद सहित) तथा अन्य में से किसी एक बिंदु का उल्लेख अपेक्षित)	½ +½ =1 ½ +½ =1 ½ +½ =1 ½ +½ =1
	–	–	7	हम - पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग / स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक, 'बनाएँ' क्रिया का कर्ता समुद्रों की - जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, संबंध कारक और - समुच्चयबोधक अव्यय पूरी - परिमाणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'धरती' की	½ +½ =1 ½ +½ =1 ½ +½ =1

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
				विशेषता। [व्याकरणिक कोटि (भेद सहित) की सही पहचान और अन्य में से किसी एक बिंदु का उल्लेख अपेक्षित]	½ +½ =1
8	8	–	–		
	(क)	–	–	वत्सल रस ('वात्सल्य' लिखने पर भी पूरे अंक दिए जाएँ।)	1
	(ख)	–	–	रति	1
	(ग)	–	–	करुण रस	1
	(घ)	–	–	उपयुक्त उदाहरण पर पूरे अंक दिए जाएँ।	1
	–	8	–		
	–	(क)	–	उत्साह	1
	–	(ख)	–	उपयुक्त उदाहरण पर पूरे अंक दिए जाएँ।	1
	–	(ग)	–	रौद्र रस	1
	–	(घ)	–	श्रृंगार रस	1
	–	–	8		
	–	–	(क)	शोक	1
	–	–	(ख)	उपयुक्त उदाहरण पर पूरे अंक दिए जाएँ।	1
	–	–	(ग)	भयानक रस	1
	–	–	(घ)	श्रृंगार रस	1

अंक-योजना मार्च, 2016

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/2/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
				खंड 'ग'	
9	9 (क)	9 (क)	9 (क)	बनाव-श्रृंगार पर ध्यान न देकर अपने लक्ष्य के प्रति एकनिष्ठता और एकाग्रता का संदेश।	2
	(ख)	(ख)	(ख)	अभ्यास के बिना कला या कार्य के स्तर और गुणवत्ता में कमी आने लगती है इसी कारण बिस्मिल्ला खाँ आजीवन अभ्यास करते रहे।	2
	(ग)	(ग)	(ग)	शिष्या के टोकने में व्यंग्य या अपमान का नहीं अपितु अपनत्व का भाव था।	1
10	10 (क)	10 (क)	10 (क)	• विद्यार्थी का सही मार्गदर्शन करके • उसकी सोच-समझ का दायरा बढ़ाकर • उसकी रुचियों का विकास करने का अवसर देकर • स्वयं को आदर्श रूप में प्रस्तुत करके	2
	(ख)	(ख)	(ख)	• विक्षिप्त, ग्रहग्रस्त और पूर्वाग्रह से ग्रसित लोग। • पुरुषवादी सत्ता / वर्चस्व कायम रखने के लिए।	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	• सामाजिक उन्नति और राष्ट्रीय गौरव हेतु स्त्री शिक्षा अनिवार्य है। • गार्गी, विश्ववरा आदि स्त्रियाँ प्राचीनकाल से ही विदुषी रही हैं।	1+1=2

अंक-योजना मार्च, 2016

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/2/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
	(घ)	(घ)	(घ)	जब संस्कृति का नाता कल्याण की भावना से टूट जाता है।	2
	(ङ)	(ङ)	(ङ)	• संस्कृत व्यक्तियों से। • उनके द्वारा नए तथ्यों / वस्तुओं की खोज या आविष्कार करने से।	1+1=2
11	11 (क)	11 (क)	11 (क)	शारीरिक रूप से सुखी होने पर भी व्यक्ति का मन वर्तमान की कठिनाइयों में अतीत की सुखद स्मृतियों को याद कर दुखी होता है।	2
	(ख)	(ख)	(ख)	इच्छित समय पर अपेक्षित उपलब्धि न होकर यदि बाद में हो तो भी वह उपलब्धि आनंददायक होती है।	2
	(ग)	(ग)	(ग)	अतीत की सुखद स्मृतियाँ हमारे वर्तमान के दुख को दोगुना कर देती हैं।	1
12	12 (क)	12 (क)	12 (क)	• लक्ष्मण व्यंग्यपूर्ण वचन बोलते थे जबकि परशुराम अहंकारी थे। • लक्ष्मण में बालसुलभ उग्रता और चंचलता थी जबकि परशुराम के स्वभाव में परिपक्वता झलकती है।	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	• राम-लक्ष्मण सरल-साधारण बालक नहीं अपितु वीर योद्धा हैं। • राम-लक्ष्मण के लिए प्रयुक्त हुआ है।	1+1=2

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
	(ग)	(ग)	(ग)	बेटी के भावी जीवन की संभावित परिस्थितियों के बारे में सीख देकर कि :– • सौंदर्य, वस्त्र और आभूषणों के मोह में न उलझे। • प्रतिकूल परिस्थितियों में अनुचित निर्णय न ले, कमज़ोर न पड़े। • अपने नारी–सुलभ गुणों को अपनी कमज़ोरी न बनने दे।	2
	(घ)	(घ)	(घ)	• जीवन के प्रति लड़की की समझ सीमित थी। • वह जीवन के सिर्फ़ सुखद पक्ष से ही परिचित थी, दुखद पक्ष से नहीं।	1+1=2
	(ङ)	(ङ)	(ङ)	• मुख्य गायक की आवाज़ चट्टान जैसी भारी है। उसमें गरज है। • संगतकार की आवाज़ मुख्य गायक की अपेक्षा कमज़ोर, काँपती और हिचकती हुई है। एक हलकी गूँज जैसी है।	1+1=2
13	13	13	13	• टुन्नू के प्रति अपनी कोमल भावनाओं का आभास होने के बाद दुलारी की मानसिकता में परिवर्तन आ गया था। उसमें देशभक्ति का भाव आ गया था। (शेष उत्तर छात्र अपने मतानुसार देंगे। तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)	2+3=5

अंक–योजना मार्च, 2016

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/2/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
				खंड 'घ'	
14	14	14	14	निबंध–लेखन	
				• प्रारंभ और समापन	1+1=2
				• विषय–वस्तु (चार बिंदु अपेक्षित)	6
				• प्रस्तुति और भाषा	1+1=2
					10
15	15	15	15	पत्र–लेखन	
				• प्रारूप / औपचारिकताएँ	1
				• विषय–सामग्री	3
				• भाषा	1
					5
16	16	16	16	सार–लेखन	
				• शीर्षक	1
				• उपयुक्त सार (लगभग एक तिहाई शब्दों में)	4
					5